भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
17.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2987 का उत्तर

पश्चिम बंगाल में रेलवे परियोजनाएं

2987. श्री ज्योतिर्मय सिंह महतो:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) **क्या यह सच है कि पश्चिम बंगाल में पुरुलिया सहित कई महत्वपूर्ण रेलवे परियोजनाएं राज्य सरकार की प्रशासनिक उदासीनता, ज़रूरी अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी न होने, भूमि उपलब्ध न होने और विभिन्न स्वीकृतियों में अनावश्यक देरी के कारण सालों से रुकी हुई हैं, जबकि केंद्र सरकार इन परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का निरंतर प्रयास कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**

(ख) **क्या सरकार के पास ऐसी परियोजनाओं की विस्तृत सूची है जहाँ राज्य सरकार की निष्क्रियता के कारण भूमि ज़मीन हस्तांतरण शुरू नहीं हो सका और निर्माण कार्य रुका हुआ है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**

(ग) **क्या सरकार का इन रुकी हुई परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार की जवाबदेही तय करने या एक विशेष समन्वय तंत्र के माध्यम से विलंब का समाधान करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और**

(घ) **क्या यह सच है कि राज्य सरकार की ओर से हो रहे लगातार विलंब से यात्रियों की सुरक्षा, क्षेत्रीय संपर्क और समग्र विकास पर अत्यधिक प्रभाव पड़ रहा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?**

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): पुरुलिया सहित पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है।

पश्चिम बंगाल में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

कुल अपेक्षित भूमि	4,564 हेक्टेयर
अधिगृहीत भूमि	1250 हेक्टेयर (27%)
अधिग्रहण किए जाने हेतु शेष भूमि	3,314 हेक्टेयर (73%)

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	कुल अपेक्षित भूमि (हैक्टेयर में)	अधिगृहीत भूमि (हैक्टेयर में)	अधिग्रहण किए जाने हेतु शेष भूमि (हैक्टेयर में)	राज्य को भुगतान की गई राशि (करोड़ रुपए में)
1.	चांडिल-पुरुलिया-अनारा-बर्नपुर तीसरी लाइन	8.15	0	8.15	0
2.	नबद्वीपघाट-नबद्वीपधाम नई लाइन	106.71	0	106.71	50
3.	सैंथिया में बाईपास	22.28	0	22.28	0
4.	नैहाटी-राणाघाट तीसरी लाइन	13.33	0	13.33	1.3
5.	सिवोक-रंगपो नई लाइन	134.62	127.54	7.08	7.98
6.	कलियागंज-बुनियादपुर नई लाइन	167.804	0	167.804	0
7.	केनिंग-बागनखली नई	18.36	0	18.36	0

	लाइन				
8.	आद्रा-सांका-रुकनी दोहरीकरण	5.14	0	5.14	0
9.	कालीपहाड़ी-बख्तरनगर पांचवीं लाइन	14.55	0	14.55	0
10.	अनारा में रुकनी से अनारा स्टेशन तक रेल फ्लाईओवर	34.90	0	34.90	0
11	गौरीनाथधाम छोर से पुरुलिया तक रेल फ्लाईओवर	34.12	0	34.12	0
12.	चंदनपुर-शक्तिगढ़ चौथी लाइन	5	0	5	0

इसके अलावा, हुगली जिले में पड़ने वाली तारकेश्वर-बिष्णुपुर (83 कि.मी.) नई लाइन परियोजना का कार्य, गोघाट-कामारपूकूर खंड में कानून और व्यवस्था की समस्याओं के कारण रुका हुआ है। भाबदिघी तालाब के समीप लगभग 900 मीटर लंबाई में स्थानीय ग्रामीण निवासियों द्वारा कार्य रोक दिया गया था। यह कार्य वर्ष 2016 से रुका हुआ है।

देशप्राण - नंदीग्राम (18.5 किलोमीटर) लाइन को 2009-10 में ₹121.44 करोड़ की लागत से स्वीकृत किया गया था। पूरी परियोजना पूर्वी मिदनापुर जिले में आती है। भूमि अधिग्रहण में समस्याओं के कारण परियोजना का कार्य आगे नहीं बढ़ाया जा सका और इसे स्थगित रखा गया। अप्रैल 2023 में इस कार्य को पुनः शुरू करने का निर्णय लिया गया। बहरहाल, देशप्राण से 5.0 किमी तक भूमि अधिग्रहण के लिए सर्वेक्षण कानून और व्यवस्था की समस्याओं के कारण

पूरा नहीं किया जा सका। चूंकि देशप्राण कनेक्टिंग स्टेशन है, इसलिए परियोजना को कमीशन करने के लिए इस भूमि का अधिग्रहण अपेक्षित है।

उपरोक्त परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए पश्चिम बंगाल सरकार के पदाधिकारियों के साथ कई बैठकें की गई हैं।

भारत सरकार परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए तैयार है, बहरहाल सफलता पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

कोलकाता मेट्रो :

कोलकाता में मेट्रो परियोजना 1972 में शुरू की गई। तब से कमीशन की गई मेट्रो का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन की गई मेट्रो
1972 से 2014 (42 वर्ष)	28 कि.मी.
2014 से 2025 (11 वर्ष)	45 कि.मी.

वर्तमान में, कोलकाता और उसके आसपास कुल 52 कि.मी. के 4 मेट्रो कॉरिडोर का निर्माण कार्य चल रहा है, जिनमें से 20 कि.मी. भूमि अधिग्रहण और उपयोगिताओं संबंधी समस्याओं के कारण रुके हुए हैं, जो राज्य सरकार से संबंधित हैं। इन कॉरिडोर की वस्तुस्थिति नीचे दी गई है:

(i) जोका - एस्प्लानेड (14 कि.मी.):- जोका - माजरहट (7.74 कि.मी.) को कमीशन कर दिया गया है और माजरहट से एस्प्लेनेड (6.62 कि.मी.) तक का शेष कार्य शुरू कर दिया गया है। बहरहाल, कार्य की प्रगति निम्नलिखित समस्याओं के कारण प्रभावित है:

क्र.सं.	स्थान	समस्याएं
1.	खिद्दरपुर मेट्रो स्टेशन	1. कोलकाता सशस्त्र पुलिस की 837 वर्ग मीटर की स्थायी और 1702 वर्ग मीटर की अस्थायी भूमि को उपयोगिताओं की शिफ्टिंग और सड़क यातायात के डायवर्जन के लिए अपेक्षित थी, जिसके लिए 24.08.2020 को राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा गया था। 2. पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों के साथ कई बैठकें हुईं। 3. राज्य सरकार ने लगभग 5 वर्ष के बाद अंतत: 09.07.2025 को अनुमोदन प्रदान किया।
2.	डॉ. बी.सी. राय मार्केट	1. एस्प्लेनेड मेट्रो स्टेशन के निर्माण के लिए, रक्षा भूमि पर बी.सी. रॉय मार्केट में 528 अवैध दुकानों को अस्थायी रूप से स्थानांतरित करना अपेक्षित था। मार्केट के अस्थायी स्थानांतरण के लिए अनापत्ति प्रमाण-पत्र का प्रस्ताव फरवरी, 2022 में प्रस्तुत किया गया था। 2. अस्थायी स्थानांतरण के लिए भी दुकानों का निर्माण किया गया। 3. राज्य सरकार से स्थानांतरण हेतु सहयोग करने का अनुरोध किया गया है। लोक निर्माण विभाग के साथ नियमित समन्वय भी किया जा रहा है। साथ ही, 30.07.2025 को कोलकाता के माननीय महापौर के साथ बैठक की गई। 4. यह मामला 3.5 से अधिक वर्षों से लंबित है।

(ii) न्यू गरिया - दमदम एयरपोर्ट (32 कि.मी.): न्यू गरिया - बेलघाटा (9.8 कि.मी.) को कमीशन कर दिया गया है और बेलघाटा से दमदम एयरपोर्ट (22.2 कि.मी.) तक के शेष कार्य को शुरू कर दिया गया है। बहरहाल, कार्य की प्रगति निम्नलिखित समस्याओं के कारण प्रभावित है :

क्र.सं.	स्थान	समस्याएं
1.	चिंगरीघाटा क्रॉसिंग (बेलघाटा - गौर किशोर घोष स्टेशन के बीच)	1. चिंगरीघाटा क्रॉसिंग पर प्रत्येक साइड पर 3+3 रातों (प्रत्येक 8 घंटे) के लिए वायडक्ट सेगमेंट की लॉन्चिंग के कारण अस्थायी ट्रैफिक डायवर्जन अपेक्षित है। यह प्रस्ताव फरवरी, 2025 में पश्चिम बंगाल सरकार को प्रस्तुत किया गया था। 2. कोलकाता यातयात पुलिस की वांछानुसार परिवर्तित मार्ग पहले ही फरवरी, 2025 में निर्मित किया जा चुका है। 3. अनापत्ति प्रमाणपत्र के लिए राज्य सरकार और कोलकाता पुलिस अधिकारियों के साथ कई बैठकें की गई। 4. दस माह बीत जाने के बाद भी अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त नहीं हुआ है।

(iii) नोआपारा - बरासात (18 कि.मी.): नोआपारा-जय हिन्द एयरपोर्ट (6.77 कि.मी.) को कमीशन कर दिया गया है और जय हिन्द एयरपोर्ट से माइकल नगर तक का कार्य प्रगति पर है। बहरहाल, न्यू बैरकपुर से बरासात (7.5 कि.मी.) तक का कार्य भूमि अधिग्रहण और राज्य अधिकारियों द्वारा अतिक्रमण संबंधी मुद्दों के कारण रोक दिया गया है।

क्र.सं.	स्थान	समस्याएं
1.	न्यू बैरकपोर से बारासात	1. इस खंड में भूमि अधिग्रहण (23000 वर्ग मीटर) और अत्यधिक अतिक्रमणों (1277 झोपड़ियाँ, 764 दुकानें) को हटाना शामिल है। 2. पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा अभी मामले का समाधान नहीं किया गया है।

(iv) बारानगर - बैरकपुर - दक्षिणेश्वर (14.5 कि.मी.): बारानगर - दक्षिणेश्वर (2 कि.मी.) का कार्य कमीशन कर दिया गया है और बारानगर से बैरकपुर (12.5 कि.मी.) तक का शेष कार्य राज्य सरकार प्राधिकरणों द्वारा मार्ग में उपयोगिताओं को स्थानांतरित करने में विलंब के कारण रुका हुआ है।

क्र.सं.	स्थान	समस्याएं
1.	बारानगर से बैरकपोर	1. बी.टी. रोड के समानांतर मूल संरेखण पर वर्ष 2011 में मेट्रो रेलवे, आरवीएनएल और कोलकाता नगर निगम के बीच समझौता ज्ञापन के अनुसार सहमति बनाई गई थी। 2. समझौता ज्ञापन के अनुसार, राज्य सरकार द्वारा वर्तमान पाइपलाइन को 64 इंच की नई पाइपलाइन से प्रतिस्थापित किया जाना था। 3. 64 इंच पाइपलाइन की शिफ्टिंग का कार्य वर्ष 2012 में पूरा हो गया था। अब, राज्य सरकार 90 इंच की नई पाइपलाइन के निर्माण पर जोर दे रही है जिसकी लागत लगभग 1400 करोड़ रुपए है। 4. इस मांग को परियोजना की लागत और समझौता ज्ञापन के प्रावधान के तहत शामिल नहीं किया गया है। 5. पश्चिम बंगाल सरकार से अभी अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त नहीं हुआ है।

पश्चिम बंगाल:

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजना और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹4,380 करोड़ प्रति वर्ष
2025-26	₹13,955 करोड़ (3 गुना से अधिक)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली 67,991 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 4,402 किलोमीटर लंबाई की 42 परियोजनाएं (12 नई लाइनें, 04 आमान परिवर्तन और 26 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से 1,702 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2025 तक 23,410 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया जा चुका है। इसका सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2025 तक कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइनें	12	1,032	337	11,368
आमान परिवर्तन	04	1,201	854	3,673
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	26	2,169	511	8,370
कुल	42	4,402	1,702	23,410

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	रामपुरहाट-मंदार हिल नई लाइन और रामपुरहाट-मुरारई तीसरी लाइन (159 किलोमीटर)	1500
2	अजीमगंज-मुर्शिदाबाद नई लाइन (7 किलोमीटर)	164
3	बर्द्धमान-कटवा आमान परिवर्तन (52 किलोमीटर)	696
4	अहमदपुर-कटवा आमान परिवर्तन (52 किलोमीटर)	440
5	पाँशकुड़ा-खड़गपुर दोहरीकरण (45 किलोमीटर)	408
6	लालगोला-जियागंज दोहरीकरण (23 किलोमीटर)	124
7	कृष्णनगर-बेथुयाडहरी दोहरीकरण (28 किलोमीटर)	152
8	नबद्वीपधाम-पाटुली दोहरीकरण (22 किलोमीटर)	170
9	बेथुयाडहरी-प्लासी दोहरीकरण (23 किलोमीटर)	132

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
10	अम्बिकाकालना-नबद्वीपधाम दोहरीकरण (23 किलोमीटर)	145
11	नलहाटी-सागरदिघि दोहरीकरण (26 किलोमीटर)	193
12	तमलुक जंक्शन- बासुलिया सुताहाटा दोहरीकरण (24 किलोमीटर)	245
13	प्लासी-जियागंज दोहरीकरण (54 किलोमीटर)	234
14	अजीमगंज-मणिग्राम दोहरीकरण (21 किलोमीटर)	150
15	न्यू कूचबिहार-गुमानीहाट दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	330
16	न्यू कूचबिहार-सामुकतला रोड दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	445
17	सैंथिया-तारापीठ तीसरी लाइन (22 किलोमीटर)	186
18	आमबाड़ी फालाकाटा - न्यू मैनागुड़ी दोहरीकरण (37 किलोमीटर)	843
19	बैंण्डेल-बोइंची-तीसरी लाइन (31 किलोमीटर)	546
20	बोइंची-शक्तिगढ़ तीसरी लाइन (26 किलोमीटर)	424
21	बाज़ार सौ-अजीमगंज जंक्शन दोहरीकरण (42 किलोमीटर)	343
22	सागरदिघी-मालदा टाउन दोहरीकरण (25 किलोमीटर)	248
23	खड़गपुर-नारायणगढ़ तीसरी लाइन (24 किलोमीटर)	270
24	मनिग्राम-निमतिता दोहरीकरण (24 किलोमीटर)	713
25	पुरुलिया-कोटशिला दोहरीकरण (36 किलोमीटर)	393

पश्चिम बंगाल में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं, जिन्हें शुरू किया गया है, का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1.	चांडिल-पुरुलिया-अनारा-दामोदर तीसरी लाइन (121 किलोमीटर)	1932
2.	तारकेश्वर-बिष्णुपुर नई लाइन (83 किलोमीटर)	1542
3.	सिवोक-रंगपो नई लाइन (44 किलोमीटर)	11973
4.	बालुरघाट-हिली नई लाइन (30 किलोमीटर)	1209
5.	कालियागंज-बुनियादपुर नई लाइन (33 किलोमीटर)	1147
6.	कटिहार-कुमेदपुर और कटिहार-मुकुरिया दोहरीकरण (65 किलोमीटर)	943
7.	खड़गपुर-आदित्यपुर तीसरी लाइन (132 किलोमीटर)	3250
8.	नारायणगढ़-भद्रक तीसरी लाइन (153 किलोमीटर)	2136
9.	कालीपहाड़ी-बख्तरनगर 5वीं लाइन (18 किलोमीटर)	350
10.	डानकुनि-बाल्टीकुरी तीसरी और चौथी लाइन (18 किलोमीटर)	429
11.	मुरारई-बड़हरवा तीसरी लाइन (49 किलोमीटर)	935
12.	राणाघाट-कृष्णानगर सिटी तीसरी लाइन (26 किलोमीटर)	446
13.	अलुआबाड़ी रोड-न्यू जलपाईगुड़ी तीसरी और चौथी लाइन (57 किलोमीटर)	1630

पिछले तीन वर्षों (अर्थात् 2022-23, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्त वर्ष अर्थात् 2025-26) के दौरान, पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले कुल 97 अदद सर्वेक्षण कार्यों (10 नई लाइन, 87 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है, जिनकी कुल लंबाई 4004 कि.मी. है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **अनुमानित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता**
- **परियोजना द्वारा प्रदान की गई अंतिम छोर तक संपर्कता**
- **अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग उपलब्ध कराना**
- **संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन**
- **राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गईं मांगें**
- **रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ**
- **सामाजिक-आर्थिक महत्व**
- **निधियों की समग्र उपलब्धता**

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण**
- **वन संबंधी स्वीकृति**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ**
- **क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।**

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

****